HIGH COURT OF JUDICATURE FOR RAJASTHAN
BENCH AT JAIPUR

S.B. Criminal Miscellaneous Bail Application No. 18218/2026
CNR: RJHC021087472026 | URN: CRLMB / 33425U / 2026

Omprakash Gupta S/o Durgaprasad Gupta, R/o Mohalla Khatik Padi Alwar, Police Station Kotwali Alwar District Alwar. At Present Residing At Flat No. A-163, First Floor Apna Ghar Shalimar Police Station Sadar Alwar District Alwar (At Present Confined In Jalore Jail Raj.)

----Petitioner

Versus

The State Of Rajasthan, Through Pp.

----Respondent

For Petitioner(s)	:	Mr. Vishal Gurjar, Adv. Mr. Prem Prakash Bairwa, Adv. for Mr. Anshuman Saxena, Adv.
For Respondent(s)	:	Mr. Jitendra Singh Rathore, PP

HON'BLE MR. JUSTICE UMA SHANKER VYAS

Judgment / Order

25/11/2026

प्रार्थी/अभियुक्त की ओर से अपनी नियमित जमानत हेतु यह जमानत प्रार्थना पत्र धारा 483 बी एन एस एस के अन्तर्गत पुलिस थाना सदर, **अलवर** में दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या–**645/2021** अपराध अन्तर्गत धारा 420, 406 भारतीय दंड संहिता में पेश किया गया है।

प्रार्थी/अभियुक्त के विद्वान अधिवक्ता का कथन है कि प्रार्थी/अभियुक्त निर्दोष है, उसे मिथ्या रूप से इस प्रकरण में आलिप्त किया गया हैं, प्रकरण में बाद अनुसंधान आरोप पत्र पेश हो चुका है, प्रार्थी/अभियुक्त दिनांक 11**.03.2026** से अभिरक्षा में है, प्रकरण के विचारण में समय लगेगा, सह अभियुक्त पूनम गुप्ता की जमानत इसी न्यायालय द्वारा स्वीकार की जा चुकी है, अतः प्रार्थी/अभियुक्त का जमानत प्रार्थना पत्र स्वीकार किए जाने एवं उसे जमानत पर रिहा किए जाने का निवेदन किया गया।

Digitally signed by
MURARI LAL
SHARMA
Date: 2026.11.25
17:10:59 IST

विद्वान लोक अभियोजक ने प्रार्थना पत्र का विरोध किया तथा अपराध की गंभीरता को देखते हुए प्रार्थना पत्र खारिज किए जाने का निवेदन किया गया।

दोनों पक्षों के तर्को के संदर्भ में अभिलेख पर उपलब्ध सामग्री का अवलोकन किया एवं मामले के तथ्यों एवं परिस्थितियों पर विचार किया।

हस्तगत मामले में अभियुक्त पर यह आरोप है कि उसने परिवादी लोकेश की बहन को उच्च न्यायालय में लिपिक के पद पर नियुक्ति दिलाने के नाम पर तीन लाख रूपये की ठगी कारित की।

प्रकरण में उपलब्ध समस्त तथ्यात्मक स्थिति तथा प्रस्तुत किये गये तर्कों, अभिरक्षा की अवधि एवं प्रकरण के विचारण में समय लगने की संभावना को ध्यान में रखते हुए प्रकरण के इस प्रक्रम पर गुणावगुण पर कोई राय व्यक्त किए बिना प्रार्थी/अभियुक्त का जमानत प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होता है।

परिणामतः प्रार्थी/अभियुक्त ओमप्रकाश गुप्ता पुत्र दुर्गाप्रसाद गुप्ता की ओर से प्रस्तुत यह जमानत प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है और आदेश दिया जाता है कि यदि प्रार्थी इस मामले में विद्वान विचारण न्यायालय के संतोषप्रद, उनके न्यायालय में नियत तिथियों पर एवं जब भी उसे तलब किया जावे, उपस्थिति हेतु **एक लाख रूपये** का व्यक्तिगत बंधपत्र व **पचास–पचास हजार रूपये** की दो सुदृढ एवं विश्वसनीय प्रतिभूतियां प्रस्तुत करे तथा उसकी किसी अन्य प्रकरण में आवश्यकता न हो तो उसे अविलम्ब जमानत पर रिहा कर दिया जावें।

(UMA SHANKER VYAS),J

Crt_7/D-A/63/Murari Lal Sharma